एम0 ए0 हिन्दी पाठयक्रम का विवरण

एम0 ए0 हिन्दी में स्नातकोत्तर के पाठयक्रम का ब्यौरा एवं उदेश्य

ध्येय एवं उदेश्य

1 विद्यार्थी भाषिक और कलात्मक दृष्टि से सम्पन्न होगा।
2 साहित्य अध्ययन से बोधगम्यता का विकास होगा। फलतः समझ में व्यापकता और गहनता आएगी।
3 संवेदनशीलता और सहृदयता विकसित होगी।
4 मनुष्यता, नैतिकता और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
5 विद्यार्थी विविध प्रकार का साहित्य को पढ़ेंगे और उनका सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक समझ का विकास होगा।
6 विद्यार्थी जीवन में साहित्य की सही भूमिका को जानेगें
7 विद्यार्थी मानक हिन्दी का प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
8 साहित्य के प्रति विद्यार्थियों में जिज्ञासा व गहन चिन्तन पैदा होगा
9 भाषा और कला के अध्ययन से तत्सम्बन्धी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिलेंगे।
10 अध्यापन, लेखन, वाचन, विवेचन, विश्लेषणात्मक क्षेत्रों में कार्य निष्पादन की क्षमता।
11 नेट, सेट, सहायक आचार्य जैसे परिक्षाओं की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे।
12 हिन्दी भाषा सम्बन्धी विविध प्रतियोगिता की जानकारी प्राप्त करेंगें।

प्रत्येक पर्चे का ब्यौरा व उद्देश्य

सत्र	विषय	कोड़	उद्देश्य
स्नातकोत्तर प्रथम सत्र 1	मध्यकालीन काव्य	101	हिन्दी काव्य जगत में निर्गुण और सगुण काव्य धारा की जो सांस्कृतिक विरासत है उसे उद्घाटित करने के साथ विद्यार्थियों के मन में उसके साहित्यिक अवदान को स्पष्ट करना इसका प्रमुख ध्येय है।
2	हिन्दी साहित्य का इतिहास	103	हिन्दी साहित्य से परिचित कराते हुए विद्यार्थियों के भीतर साहित्य के प्रति गहन अभिरूचि पैदा करना, जिससे विद्यार्थी समग्र रूप से साहित्य से परिचित हो सके एवं उनके भीतर की रागात्मकता शक्ति का विकास हो सके।
3	हिन्दी नाटक एवं उपन्यास	103	आधुनिक हिन्दी गद्य की अवधारणाओं एवं प्रवृतियों का विश्लेषण तथा आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करना।
4	भाषा विज्ञान	104	हिन्दी की उत्पति विकास, तथा व्याकरण के सैद्धान्तिक ज्ञान से अवगत होना पुरानी हिन्दी और दकिन भाषा से छात्रों का परिचय इस विषय का ध्येय रहेगा।
द्वितीय सत्र 1	भक्ति एवं रीति काव्य	201	भक्ति एवं रीति काव्य के विश्लेषण से विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन।
2	हिन्दी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल	202	आधुनिक काल के विभिन्न वादों, आंदोलनों एवं विविध विधाओं में आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक दृष्टि को विकसित करना।
3	आधुनिक गद्य साहित्य	203	आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की अवधारणाओं और प्रवृतियों का विश्लेषण। गद्य साहित्य की विधाओं के अध्ययन से मानवीय जीवन में घटित विभिन्न घटनाओं का अवलोकन तथा सामाजिक उत्थान के प्रति मानवता को

			जागरूक करना।
4	हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि	204	हिन्दी भाषा का उद्भव एवं वर्तमान संन्दर्भ में हिन्दी के महत्व का विश्लेषण करना।
5	मीडिया लेखन एवं हिन्दी पत्रिकारिता	205	हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास क्रम की जानकारी, मीडिया लेखन की विभिन्न तकनीकों का ज्ञान तथा विद्यार्थियों में भाषायी दक्षता व कौशल का विकास करना।
तृतीय सत्र 1	भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	301	हिन्दी एवं संस्कृत साहित्य में काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धान्तों एवं साहित्यिक रूपों के ज्ञान को विकसित करना।
2	अनुवाद विज्ञान	302	अनुवाद का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विवेचन तथा तकनीकी अध्ययन। लक्ष्य भाषा में सृजनात्मकता के लिए भाषा की संरचना और भाषीय सिद्धान्तों के विभिन्न उपकरणों एवं तकनीकों की जानकारी तथा स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा का ज्ञान।
3	छायावादी काव्य	303	कविताओं के माध्यम से प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक चेतना को विकसित करना। छायावादी कवियों के चिंतन एवं दर्शन का ज्ञान।
4	आधुनिक हिन्दी उपन्यास	304	उपन्यासों में चित्रित सामाजिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों का बोध।
चतुर्थ सत्र 1	पाश्चात्य समीक्षा सिद्धान्त	401	इस विषय का उद्देश्य पश्चिम साहित्य के सिद्धान्तों से विद्यार्थी को अवगत कराना जिससे की वे अपनी सहज प्रतिभा का विकास करते हुए साहित्यिक सिद्धान्त के भारतीय एवं पाश्चात्य दोनों ही प्रतिमानों से अवगत हो सके।
2	छायावादोत्तर काव्य	402	काव्य के माध्यम से पौराणिक एवं आध्यात्कि मूल्यों का विकास। काव्य के नवीन शिल्प

			विधान का ज्ञान।
3	शोध प्रविधि	403	हिन्दी साहित्य के शोध एवं अंतरानुशासनात्क शोधदृष्टि को विकसित करना। आलोचनात्मक दृष्टि को व्यवहारिक और सृजनात्मक रूप से विकसित करना।
4	लोक साहित्य : सैद्धान्तिक विवेचन एवं प्रायोगिक आयाम	404	लोक जीवन एवं ग्रामीण समाज के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन हेतु लोक साहित्य के अध्ययन का अवलोकन। लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध के ज्ञान को विकसित करना।
5	हिन्दी साहित्य और सिनेमा	405	भारतीय सभ्यता और संस्कृति से परिचित होना तथा मानवीय मूल्यों का विकास करना। सृजनात्मक एवं लेखन कौशल का विकास तथा हिन्दी साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना। हिन्दी साहित्य और सिनेमा के अन्तरसम्बन्धों का ज्ञान, सृजनात्मक एवं लेखन कौशन को विकसित करना।